The donkey would not walk
Some times he would
have to beat him to
make him walk. So the
owner followed

केरल रीडर

हिन्दी

KERALA READER

HINDI

STANDARD VI

Price 75 nP

1963

केरल रीडर

हिन्दी

KERALA READER

HINDI

STANDARD VI

PRINTED AT
THE CITY PRESS, TRIVANDRUM.

प्रस्तावना

"केरल हिन्दी रीडर" माला की यह पहली पुस्तक है। केरल के मिडिल-स्कूलों में हिन्दी की पढाई के लिए नये पाठ्यक्रम के अनुसार यह लिखी गई है।

विद्यार्थियों के स्तर और उम्र को ध्यान में रखते हुए पाठों और विषयों का चयन बडी सावधानी से किया गया है।

पाठों के अन्त में अभ्यास के साथ साथ निश्चित प्रणाली के अनुसार व्याकरण भी दिया गया है। ऐसे अभ्यास और भी कराये जा सकते हैं।

हिन्दी में अनुवाद कराने के लिए कुछ वाक्य इसलिए नहीं दिये गये हैं कि केरल में मलयालम, कन्नड और तमिल के विद्यार्थी मौजूद हैं। अध्यापक लोग इस कमी को आसानी से दूर कर सकते हैं।

आशा है कि अध्यापक और विद्यार्थी इस किताब से फायदा उठायेंगे।

शिक्षा विभाग,
केरल सरकार

Acknowledgment

The Text Books Officer, Kerala State desires to express her thanks to the following Authors and Publishers for kind permission to reproduce their copyright materials in this book.

(1) Sri Ramnarayan Lal, Veni Madhav, Publisher & Book-seller, Allahabad for "Chanda Mama", "Chum Chum Chum" and 'Rim Jhim-Rim Jhim' from Makhan Misri by Dwarika Prasad Maheswari M. A.

(2) Sri Sohanlal Dwivedi, Editor, Bala Sakha, C/o. Indian Press (Publications) Private Ltd., Allahabad, for 'Indar Aaya' from Bal Sakha.

(Sd)

Text Books Office,
Trivandrum, 3-5-1963.

Mrs. Elizabeth Devasia,
Text Books Officer.

केवल मौखिक शिक्षण के लिए-(करीब एक महीने तक)

अध्यापक — लड़को, सब उठो।

(लड़के उठते हैं।)

अध्यापक — तुम क्या करते हो?

लड़के — हम उठते हैं।

अध्यापक — तुम सब बैठो।

(लड़के बैठते हैं।)

अध्यापक — तुम क्या करते हो?

लड़के — हम बैठते हैं।

अध्यापक — गोपाल, तुम इधर आओ।

तुम खिड़की खोलो।

(गोपाल आता है। वह खिड़की खोलता है।)

अध्यापक — तुम क्या करते हो?

गोपाल — मैं खिड़की खोलता हूँ।

अध्यापक — गोपाल, जाकर बैठो।

(गोपाल जाकर बैठता है।)

अध्यापक — गणेश, तुम दरवाज़ा बंद करो।

(गणेश जाता है। वह दरवाज़ा बंद करता है।)

अध्यापक — गणेश, तुम क्या करते हो?

गणेश — मैं दरवाज़ा बंद करता हूँ।

अध्यापक — तुम जाकर बैठो।

(गणेश जाकर बैठता है।)

अध्यापिका — लड़कियो, सब उठो।

(लड़कियाँ उठती हैं।)

अध्यापिका — तुम क्या करती हो?

लड़कियाँ — हम उठती हैं।

अध्यापिका — तुम सब बैठो।

(लड़कियां बैठती हैं।)

अध्यापिका — तुम क्या करती हो?

लड़कियां — हम बैठती हैं।

अध्यापिका — सीता, तुम इधर आओ। तुम खिड़की खोलो।

(सीता आती है। वह खिड़की खोलती है।)

अध्यापिका — तुम क्या करती हो?

सीता — मैं खिड़की खोलती हूँ।

अध्यापिका — सीता, जाकर बैठो।

(सीता जाकर बैठती है।)

अध्यापिका — गोमती, तुम दरवाज़ा बन्द करो।

(गोमती जाती है। वह दरवाज़ा बन्द करती है।)

अध्यापिका — गोमती, तुम क्या करती हो?

गोमती — मैं दरवाज़ा बन्द करती हूँ।

अध्यापिका — तुम जाकर बैठो।

(गोमती जाकर बैठती है।)

अध्यापक—गोपाल, एक किताब
लाओ।
(गोपाल किताब लाता है।)
अध्यापक—तुम क्या करते हो?
गोपाल—मैं किताब लाता हूँ।
अध्यापक—जोसफ़, कलम
लाओ।
(जोसफ़ कलम लाता है।)
अध्यापक—तुम क्या करते हो?
जोसफ़—मैं कलम लाता हूँ।
अध्यापक—गोपाल, तुम किताब
ले कर जाओ।
(गोपाल किताब ले कर जाता है)
अध्यापक—तुम क्या करते हो?
गोपाल—मैं किताब ले कर
जाता हूँ।
अध्यापक—जोसफ़, तुम कलम
लेकर जाओ।
(जोसफ़ कलम ले कर जाता है।)
अध्यापक—तुम क्या करते हो?
जोसफ़—मैं कलम ले कर जाता
हूँ।

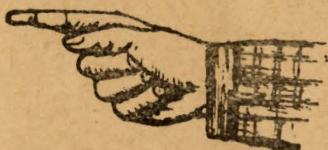
अध्यापिका—लैला, एक किताब
लाओ।
(लैला किताब लाती है।)
अध्या०—तुम क्या करती हो?
लैला—मैं किताब लाती हूँ।
अध्यापिका—शोभा, कलम
लाओ।
(शोभा कलम लाती है।)
अध्या०—तुम क्या करती हो?
शोभा—मैं कलम लाती हूँ।
अध्यापिका—लैला, तुम किताब
ले कर जाओ।
(लैला किताब ले कर जाती
है।)
अध्या०—तुम क्या करती हो?
लैला—मैं किताब लेकर जाती हूँ।
अध्यापिका—शोभा, तुम कलम
ले कर जाओ।
(शोभा कलम ले कर जाती है।
अध्या०—तुम क्या करती हो?
शोभा—मैं कलम ले कर जाती
हूँ।

(वि. सू.—इस प्रकार नीचे लिखे आदेशों का प्रयोग कीजियेः–
किताब दो, कलम दो, किताब लो, किताब खोलो,
किताब पढो, किताब बन्द करो, किताब रखो, नोटबुक लो,
नोटबुक खोलो, पेंसिल लो, पेंसिल से लिखो, आदि आदि)
कर, के–का प्रयोग समझाइये।



पाठ एक





यह कलम है ।

यह क्या है ?

यह कलम है ।



वह पेड़ है ।

वह क्या है ?

वह पेड़ है ।





यह किताब है ।
यह क्या है ?
यह किताब है ।

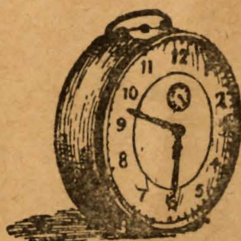
वह सूरज है ।

वह क्या है ?

वह सूरज है ।







यह घड़ी है ।

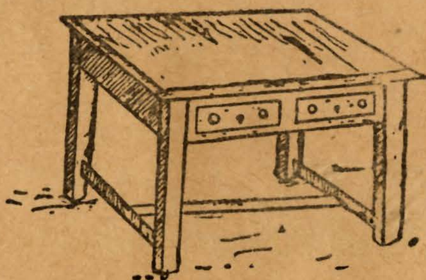
यह क्या है ?

यह घड़ी है ।

वह मेज़ है ।

वह क्या है ?

वह मेज़ है ।







यह कुरसी है ।

यह क्या है ?

यह कुरसी है ।

वह लड़का है ।

वह कौन है ?

वह लड़का है ।





यह लड़की है।

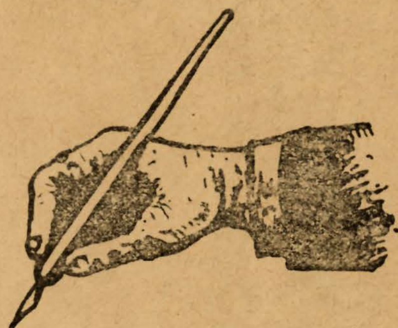
यह कौन है?

यह लड़की है।

यह, वह

क्या, कौन

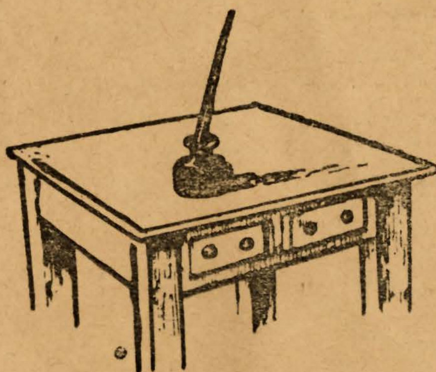
पाठ दो



हाथ में क़लम है ।

क़लम कहाँ है ?

क़लम हाथ में है ।



मेज़ पर दवात है ।

दवात कहाँ है ?

दवात मेज़ पर है ।

दवात में स्याही है ।

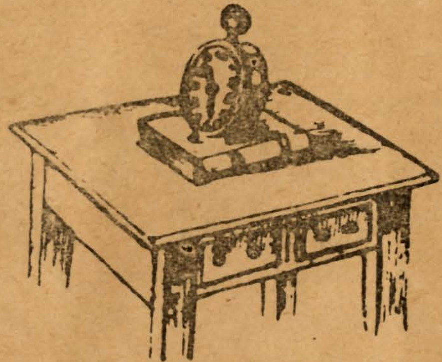
दवात में क्या है ?

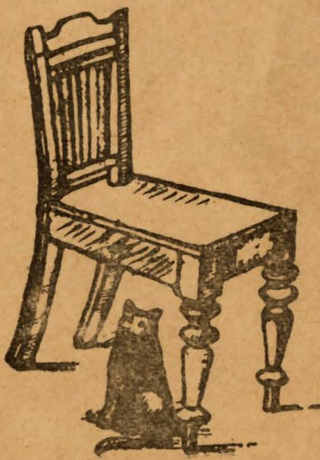
दवात में स्याही है ।

क़लम कहाँ है ?

क़लम दवात में है ?

मेज़ पर किताब है ।
मेज़ पर क्या है ?
मेज़ पर किताब है ।
किताब कहाँ है ?
किताब मेज़ पर है ।
किताब पर घड़ी है ।
किताब पर क्या है ?
किताब पर घड़ी है ।
घड़ी कहाँ है ?
घड़ी किताब पर है ।





कुरसी ज़मीन पर है ।
कुरसी कहाँ है ?
कुरसी ज़मीन पर है ।
बिल्ली कुरसी के नीचे है ।
बिल्ली कहाँ है ?
बिल्ली कुरसी के नीचे है ।

मेज़ ज़मीन पर है ।

मेज़ पर घड़ी है ।

पेटी मेज़ के नीचे है ।

पेटी पर किताब है ।

पेटी कहाँ है ?

पेटी मेज़ के नीचे है ।

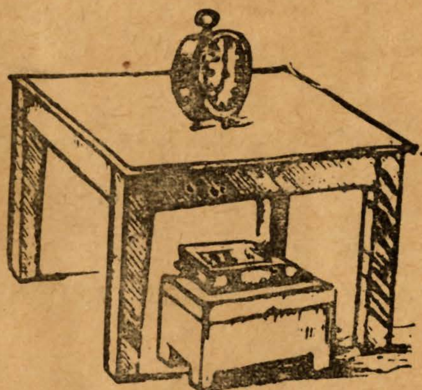
पेटी ज़मीन पर है ।

किताब कहाँ है ?

किताब पेटी पर है ।

मेज़ के नीचे क्या है ?

मेज़ के नीचे पेटी है ।



में पर

कहाँ

अभ्यास:—

अर्थ बताओ:—

कलम, दवात, घडी, स्याही, ज़मीन, **मेज़**
कुर्सी, बिल्ली, पेटी ।

जवाब दो:—

(१) कलम कहाँ है? (२) मेज़ पर क्या है?
(३) दवात में क्या है) (४) घड़ी कहाँ है?
(५) किताब कहाँ है?

व्याकरण:-

'में' 'पर' 'कहाँ'—इनको समझाइये।

कलम, किताब, हाथ, मेज़, कुर्सी, लड़का, लड़की—आदि संज्ञायें हैं।

लड़का किताब पढ़ता है। इस वाक्य में 'लड़का' और 'किताब' संज्ञायें हैं।

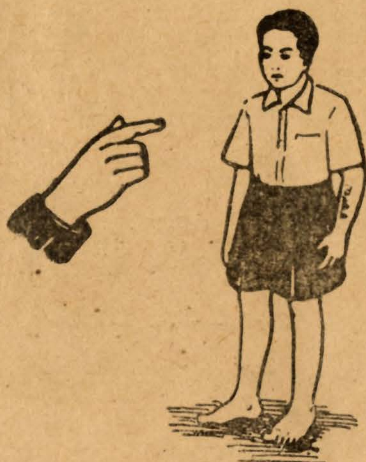
नीचे लिखे वाक्यों से संज्ञा-शब्द चुनो:-

(१) हाथ में कलम है।
(२) मेज़ पर बिल्ली है।
(३) ज़मीन पर पेटी है।
(४) लड़की घर में है।
(५) लड़का मैदान में है।

संज्ञा शब्दों से खाली जगहों को भरो:-

१. —में स्याही है।
२. पेटी पर — है।
३. घड़ी — पर है।
४. किताब — में है।
५. गिलास में — है।

पाठ तीन



यह लड़का है।

यह कौन है?

यह लड़का है।

यह राम है।

यह लड़का कौन है?

यह लड़का राम है।



ये लड़के हैं।

ये कौन हैं?

ये लड़के हैं।

ये लड़के कौन हैं?

ये राम और
गोपाल हैं।



वह लड़की है ।

वह कौन है ?

वह लड़की है ।

वह लड़की कौन है ?

वह लड़की सीता है ।



वे लड़कियाँ हैं ।

वे कौन हैं ?

वे लड़कियाँ हैं ।

वे लड़कियाँ कौन हैं ?

वे सीता और रमा हैं ।

अभ्यास:—

जवाब दो:—

(१) यह कौन है?

(२) ये लड़के कौन हैं?

(३) यह कौन लड़की है?

(४) ये लड़कियाँ कौन हैं?

व्याकरण:—

लड़का – लड़के

लड़की —लड़कियाँ

पाठ चार

मैं गोपाल हूँ।

मैं लड़का हूँ।

मैं लड़की नहीं हूँ।

मैं छोटा-लड़का हूँ।

मैं बड़ा लड़का नहीं हूँ।





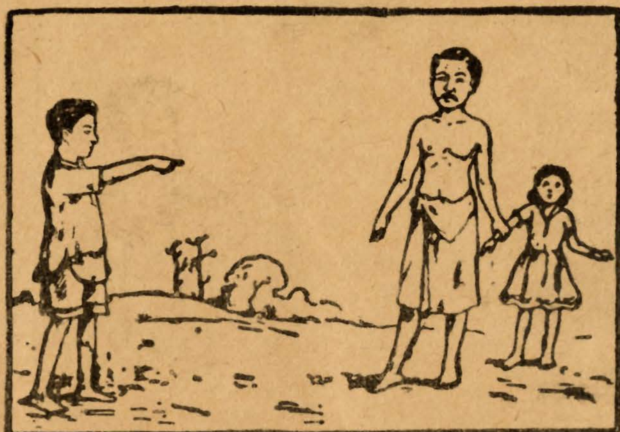
मैं रमा हूँ।

मैं लड़की हूँ।

मैं लड़का नहीं हूँ।

मैं छोटी लड़की हूँ।

मैं बडी लड़की नहीं हूँ।



तुम हो ।	मैं हूँ ।
तुम कौन हो ?	मैं किसान हूँ
तुम्हारा नाम क्या है ?	मेरा नाम नारायण है ।
तुम कहाँ रहते हो ?	मैं गाँव में रहता हूँ ।
तुम क्या करते हो ?	मैं खेती करता हूँ ।
तुम कहाँ जाते हो ?	मैं शहर जाता हूँ ।
यह छोटी लड़की कौन है ?	यह मेरी बेटी है ।
उसका नाम क्या है ?	इसका नाम गोमती है ।
आओ, थोडी देर बैठो ।	अच्छा, आता हूँ ।



आप कौन हैं ?	मैं दूकानदार हूँ ।
आपका नाम क्या है ?	मेरा नाम रामलाल है ।
आप कहाँ से आते हैं ?	मैं शहर से आता हूँ ।
आपका घर कहाँ है ?	मेरा घर गाँव में है ।
यह लडका कौन है ?	यह मेरा बेटा है ।
उसका नाम क्या है ?	इसका नाम मोहन है ।
क्या, आपकी दूकान बडी है ?	मेरी दूकान बडी नहीं है ।
	वह छोटी दूकान है ।
आप कहाँ जाते हैं ?	मैं घर जाता हूँ ।
आइये, थोडी देर बैठिये ।	नहीं बहन, मैं जाता हूँ ।



ये लड़के हैं ।

ये छोटे लड़के हैं ।

ये बड़े लड़के नहीं हैं ।

ये अच्छे लड़के हैं ।

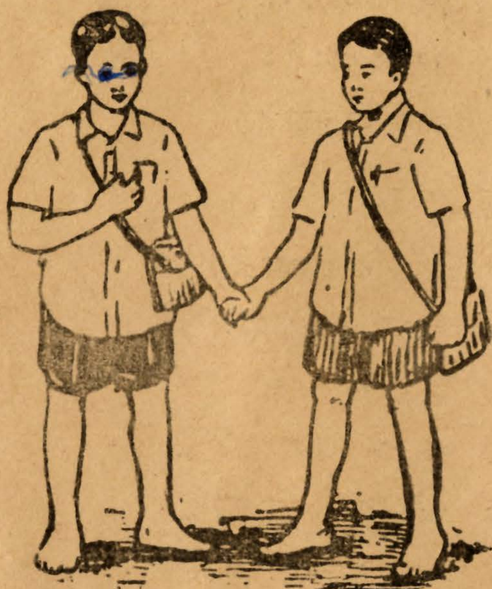
ये बुरे लड़के नहीं हैं ।



वे लड़कियाँ हैं । वे छोटी लड़कियाँ हैं ।

वे बड़ी लड़कियाँ नहीं हैं । वे अच्छी लड़कियाँ हैं ।

वे बुरी लड़कियाँ नहीं हैं ।



हम लड़के हैं।	हम राम और गोपाल हैं।
हम भाई हैं।	हम घर से आते हैं।
हम विद्यार्थी हैं।	हम स्कूल जाते हैं।

अभ्यास:—

जवाब दो:-

१. मैं कौन हूँ ?

२. क्या, मैं छोटा लडका हूँ ?

३. तुम कौन हो ?

४. तुम क्या करते हो ?

५. रामलाल कौन है ?

६. उसका घर कहाँ है ?

प्रश्न बनाओ:-

१. मेरा नाम नारायण है।

२. मैं बड़ा लड़का नहीं हूँ।

३. इसका नाम गोमती है।

४. यह छोटी लड़की मेरी बेटी है।

५. मेरी दूकान छोटी नहीं है।

६. हम राम और गोपाल हैं।

७. हम घर से आते हैं।

व्याकरण:-

मैं हूँ; तू है; तुम हो; यह है; वह है;
आप हैं; हम हैं; ये हैं; वे हैं; नहीं

पाठ पाँच



यहाँ तुम क्या करते हो ?

हम खेलते हैं ।

वहाँ वह क्या करता है ?

वहाँ वह पढ़ता है ।

देखो, वहाँ से कौन आता है ?

वहाँ से पिताजी आते हैं



यहाँ दो लड़के खेलते हैं। यहाँ रमेश और रशीद खेलते हैं।

ये क्या करते हैं? ये गेंद खेलते हैं।

ये दोनों खूब खेलते हैं। वहाँ दो लड़के बैठते हैं।

वे जयराम और जोसफ़ हैं।

वे क्या करते हैं? वे बातचीत करते हैं।

अभ्यास:—

जवाब दो:—

(१) वहाँ से कौन आता है?

(२) यहाँ कौन लड़के खेलते हैं?

(३) वे लड़के क्या करते हैं?

'यहाँ', 'वहाँ'

पाठ छः



गणेश लिखता है।

वह कलम से लिखता है।

वह कागज़ पर लिखता है।

वह हिन्दी लिखता है।

वह एक अच्छा विद्यार्थी है।

वह छठे दर्जे में पढ़ता है।

उसके ऊपर बिजली की बत्ती है।

बत्ती खूब रोशनी देती है।

मेज़ पर दवात है।

दवात में स्याही है।

वह काली स्याही से लिखता है।

उसके पास एक कुत्ता है।

वह एक मोटा कुत्ता है।

मेज़ के नीचे एक बिल्ली है।

वह भी मोटी है।

कुत्ता काला है।

बिल्ली सफेद है।

अभ्यास:—

जवाब दो:-

१. गणेश क्या करता है?

२. वह क्या लिखता है?

३. बिजली की बत्ती कहाँ है?

४. गणेश के पास क्या है?

५. मेज़ के नीचे क्या है?

सवाल बनाओ.-

१. वह कागज़ पर लिखता है।

२. दवात में स्याही है।

३. वह एक मोटा कुत्ता है।

व्याकरण:—के ऊपर; के नीचे; के पास

पाठ सात



मोहन एक लड़का है।

सुशीला उसकी बहन है।

वह मोहन की छोटी बहन है

मोहन उसका बड़ा भाई है।

मोहन आम खाता है।

आम मीठा है।

सुशीला चाय पीती है।

चाय मीठी है।

चाय गरम है ।

2 केला भी एक मीठा फल है ।

3 मोहन के गिलास में पानी है ।

पानी ठंडा है ।

अभ्यास:—

अर्थ बताओ:—छोटा, बड़ा, मीठा, गरम, ठंडा

जवाब दो:—

(१) मोहन कौन है ?

(२) केला कैसा फल है ?

(३) मोहन के गिलास में क्या है ?

सवाल बनाओ:—

१. सुशीला मोहन की बहन है ।

२. मोहन आम खाता है ।

३. सुशीला चाय पीती है ।

पाठ आठ



मोहन दौड़ता है ।

सुशीला भी दौड़ती है ।

वे दोनों दौड़ते हैं ।

वे स्कूल की ओर दौड़ते हैं ।

वे लड़के चलते हैं ।

वे लड़कियाँ भी चलती हैं ।



3 चार लड़कियाँ गीत गाती हैं।

वे नाचती हैं।

दो आदमी नाच देखते हैं।

तीन औरतें गाना सुनती हैं।

वे नाच भी देखती हैं।

वे लड़कियाँ छोटी हैं।

अभ्यास:—

जवाब दो:—

(१) मोहन क्या करता है?

(२) वे लड़के क्या करते हैं ?

(३) चार लड़कियाँ क्या करती हैं

सवाल बनाओ:—

(१) वे दोनों दौडते हैं।

(२) वे लड़कियाँ नाचती हैं।

(३) तीन औरतें गाना सुनती हैं।

व्याकरण:—

राम जाता है—इस वाक्य में 'राम' कर्ता और 'जाता है' क्रिया है।

राम किताब पढ़ता है—इस वाक्य में 'राम' कर्ता, 'किताब' कर्म और 'पढ़ता है' क्रिया है।

नीचे लिखे वाक्यों से कर्ता, कर्म और क्रिया शब्दों को चुनो:—

१. मोहन पाठ लिखता है।

२. लड़की गाना गाती है।

३. राधा दौडती है।

४. बिल्ली दूध पीती है।

उचित कर्ता शब्दों से खाली जगहों को भरो:-

१. —पानी पीता है।

२. —काम करते हैं।

३. —गेंद खेलते हैं।

४. —किताब पढ़ती है।

५. —हिन्दी लिखती हैं।

उचित कर्म पदों से खाली जगहों को भरोः-

१. राम—खाता है।

२. कुत्ता—पीता है।

३. लड़की—गाती है।

४. सीता—पढ़ती है।

५. लड़के—खेलते हैं।

उचित क्रिया पदों से खाली जगहों को भरोः-

१. कुत्ता तेज़— —।

२. लड़की बेंच पर— —।

३. दो लड़कियाँ गीत— —।

४. आदमी गाँव से— —।

५. वे लड़के स्कूल— —।

अक्षर-माला

अ आ इ ई उ ऊ ऋ

ए ऐ ओ औ अं अः

क ख ग घ ङ

च छ ज झ ञ

ट ठ ड ढ ण

त थ द ध न

प फ ब भ म

य र ल व श ष स ह

क्ष त्र ज्ञ ज़ ड़ फ़

बारह खडी

अ आ इ ई उ ऊ ऋ

ए ऐ ओ औ अं अः

- ा ि ी ु ू ृ

े ै ो ौ ं ः

क का कि की कु कू कृ

के कै को कौ कं कः

ख खा खि खी खु खू खृ

खे खै खो खौ खं खः

च चा चि ची चु चू चृ

चे चै चो चौ चं चः

ट टा टि टी टु टू टृ

टे टै टो टौ टं टः

त ता ति ती तु तू तृ

ते तै तो तौ तं तः

प पा पि पी पु पू पृ

पे पै पो पौ पं पः

र रा रि री रु रू रे

रै रो रौ रं रः

संयुक्ताक्षर

क् + य = क्य	ग् + य = ग्य	ख् + य = ख्य
ट् + य = ट्य	ल् + क = ल्क	द् + य = द्य
ट् + ट = ट्ट	ल् + ल = ल्ल	ड् + क = ड्क
क् + ष = क्ष, क्ष	श + व = श्व, श्व	श + य = श्य
र् + क = र्क	र् + म = र्म	र् + य = र्य
क् + र = क्र	म् + र = म्र	व + र = व्र
ट् + र = ट्र	ड् + र = ड्र	द् + र = द्र
क् + त = क्त, क्त	क् + व = क्व	क् + श = क्श
ग् + न = ग्न	ग् + ल = ग्ल	घ् + न = घ्न
च् + च = च्च	च् + य = च्य	च् + छ = च्छ
ज् + ज = ज्ज	ज् + व = ज्व	ट् + ठ = ट्ठ
त् + थ = त्थ	द् + म = द्म	द् + व = द्व
न + द = न्द	प + प = प्प	श + र = श्र
श + च = श्च	स + त = स्त	स + त + र = स्त्र
ह + व = ह्व	ह + य = ह्य	ह + न = ह्न
ह + म = ह्म	ह + र = ह्र	ह + ल = ह्ल

क्या, पक्का, हिन्दी, अंग्रेज़ी, दर्जा, पुस्तक, सत्य, धर्म, सूर्योदय
गल्ला, छुट्टी, चिट्ठी, प्रचार, चक्र, छत्र, स्त्री, ट्राम, ट्रेन,
श्रम, विश्व पद्य, पद्म, ब्रह्मा, आह्वान, मध्याह्न, मोहम्मद
पत्थर, नक्शा, डिब्बा, मुफ़्त, ख्याल, बच्चा, अच्छा, पश्चिम,दक्षिण,
नम्रता, हड्डी, बुड्ढा: गद्दा, गिद्ध, उद्घाटन, सख्त, विद्वान, स्वप्न ।

पाठ नौ

मैं गोपाल हूँ।	मैं राधा हूँ।
मैं एक लड़का हूँ।	मैं एक लड़की हूँ।
मैं एक छोटा लड़का हूँ।	मैं एक छोटी लड़की हूँ।
मैं एक विद्यार्थी हूँ।	मैं एक विद्यार्थिनी हूँ।
मैं एक अच्छा विद्यार्थी हूँ।	मैं एक अच्छी विद्यार्थिनी हूँ।
मैं छठे वर्ग में पढ़ता हूँ।	मैं छठे वर्ग में पढ़ती हूँ।
मैं हिन्दी सीखता हूँ।	मैं हिन्दी सीखती हूँ।
मैं रोज़ स्कूल जाता हूँ।	मैं रोज़ स्कूल जाती हूँ।
हम लड़के हैं।	हम लड़कियाँ हैं।
हम छोटे लड़के हैं।	हम छोटी लड़कियाँ हैं।
हम विद्यार्थी हैं।	हम विद्यार्थिनियाँ हैं।
हम अच्छे विद्यार्थी हैं।	हम अच्छी विद्यार्थिनियाँ हैं।
हम छठे वर्ग में पढ़ते हैं।	हम छठे वर्ग में पढ़ती हैं।
हम हिन्दी सीखते हैं।	हम हिन्दी सीखती हैं।
हम रोज़ स्कूल आते हैं।	हम रोज़ स्कूल जाती हैं।

आप अध्यापक हैं।	आप अध्यापिका हैं।
आप बडे हैं।	आप बडी हैं।
आप अच्छे अध्यापक हैं।	आप अच्छी अध्यापिका हैं।
आप खूब पढाते हैं।	आप खूब पढाती हैं।
आप हिन्दी पढाते हैं।	आप हिन्दी पढाती हैं।
आप रोज़ स्कूल आते हैं।	आप रोज़ स्कूल आती हैं।
तू लडका है।	तू लडकी है।
तू छोटा लड़का है।	तू छोटी लड़की है।
तू बुरा लड़का है।	तू बुरी लड़की है।
तू अच्छा लड़का नहीं है।	तू अच्छी लड़की नहीं है।
तुम आदमी हो।	तुम औरत हो।
तुम रामदास हो।	तुम भारती हो।
तुम बडे हो।	तुम बडी हो।
तुम बूढे हो।	तुम बूढी हो।
तुम नौकर हो।	तुम नौकरानी हो।
तुम अच्छे नौकर हो।	तुम अच्छी नौकरानी हो।
तुम सेवा करते हो।	तुम सेवा करती हो।

तुम सबेरे उठते हो।	तुम सबेरे उठती हो।
तुम खूब काम करते हो।	तुम खूब काम करती हो।
मैं गाता हूँ।	मैं गाती हूँ।
हम गाते हैं।	हम गाती हैं।
यह गाता है।	यह गाती है।
ये गाते हैं।	ये गाती हैं।
वह गाता है।	वह गाती है।
वे गाते हैं।	वे गाती हैं।
तू गाता है।	तू गाती है।
तुम गाते हो।	तुम गाती हो।
आप गाते हैं।	आप गाती हैं।
कौन गाता है?	कौन गाती है?
कोई गाता है।	कोई गाती है।

अभ्यासः—

अच्छा, अच्छे, अच्छी
बुरा, बुरे, बुरी
छोटा, छोटे, छोटी

बडा, बडे, बडी

'कौन' ; 'कोई'

जवाब दो:—

१. तुम क्या करते हो?

२. तुम कब स्कूल जाती हो?

३. आप कौन हैं?

४. आप क्या पढाती हैं?

सवाल बनाओ:—

१. मेरा नाम भारती है।

२. मैं खूब काम करती हूँ।

३. मैं अच्छी लड़की हूँ।

पाठ दस

तू आ।	तुम आओ।	आप आइये।
तू जा।	तुम जाओ।	आप जाइये।
तू उठ।	तुम उठो।	आप उठिये।
तू बैठ।	तुम बैठो।	आप बैठिये।
तू चल।	तुम चलो।	आप चलिये।
तू दौड़।	तुम दौड़ो।	आप दौड़िये।
तू देख।	तुम देखो।	आप देखिये।
तू सुन।	तुम सुनो।	आप सुनिये।
तू बोल।	तुम बोलो।	आप बोलिये।
तू मत जा।	तुम मत जाओ।	आप मत जाइये।
तू मत दौड़।	तुम मत दौड़ो।	आप मत दौड़िये।
तू काम कर।	तुम काम करो।	आप काम कीजिये।
तू किताब ले।	तुम किताब लो।	आप किताब लीजिये।
तू क़लम दे।	तुम क़लम दो।	आप क़लम दीजिये।
तू पानी पी।	तुम पानी पिओ।	आप पानी पीजिये।
तू किताब मत ले।	तुम किताब मत लो।	आप किताब मत लीजिये।

अभ्यासः—लिख, पढ़, सीख, कूद, ला, खा, खेल, गा, नाच—इनका तू आदि कर्ता के साथ प्रयोग कराइये।

मिलाकर लिखोः—

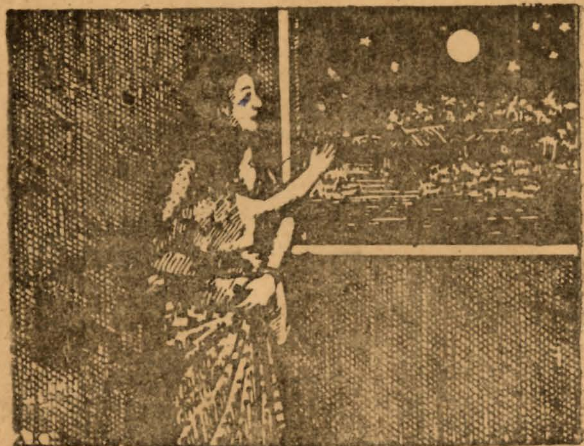
	बैठिये
	लिख
	आओ
तू	पढ़ो
तुम	खा
	लाइये
आप	गा
	खेलो
	पीजिये

विधिरूप लिखोः—

कर्ता	क्रिया
	ला
	ले
तुम	कर
	दे
आप	सो
	पढ
	बैठ

पाठ ग्यारह

चंदा मामा



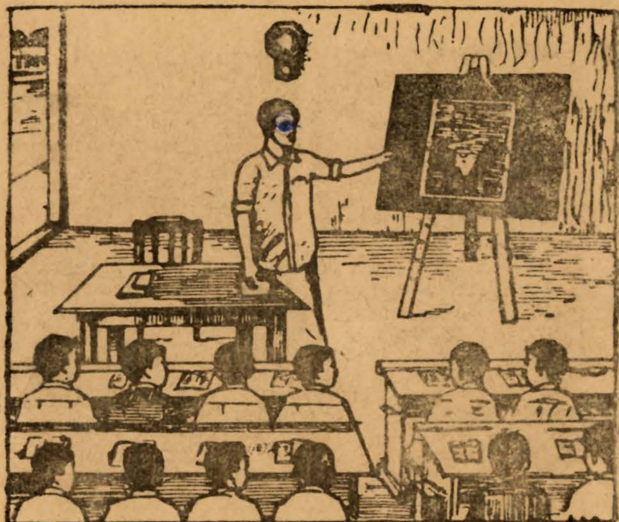
चंदा मामा, चंदा मामा,
मुझको पास बुलाओ।
बैठाकर अपने रथ में
मुझको भी सैर कराओ॥

अभ्यास:—

जवाब दो.-

१. चंदा मामा से बच्चे की प्रार्थना क्या है? यह पद ज़बानी सुनाओ।

पाठ बारह



(उचित इशारा करके पूछने का संकल्प)

अध्यापकः-	विद्यार्थी :-
मेरा नाम क्या है ?	आपका नाम मोहनलाल है ।
मेरी कलम कहाँ है ?	आपकी कलम जेब में है ।
मेरे हाथ में क्या है ?	आप के हाथ में किताब है ।
यह किसकी किताब है ?	वह आपकी किताब है ।
तेरा भाई कौन है ?	मेरा भाई रशीद है ।

क्या तेरे पास कलम है ?	जी हाँ, मेरे पास कलम है।
तेरी कलम का क्या दाम है ?	मेरी कलम का दाम एक रुपया है।
तुम्हारा नाम क्या है ?	मेरा नाम सतीश है।
तुम्हारे बाप कौन हैं ?	मेरे बाप किसान / अध्यापक / अफ़सर हैं।
तुम्हारी बहन कहाँ है ?	मेरी बहन घर में है।
उसका नाम क्या है ?	इसका नाम राम है।
उसकी किताब कहाँ है ?	इसकी किताब हाथ में है।
उसके कितने भाई हैं ?	इसके तीन भाई हैं।
इसका घर कहाँ है ?	उसका घर शहर में है।
इसकी कलम कहाँ है ?	उसकी कलम जेब में है।
इसके कितने भाई हैं ?	उसके दो भाई हैं।
उनका घर कहाँ है ?	उनका घर गाँव में है।
उनकी मातृ भाषा कौन है ?	उनकी मातृ भाषा मलयालम है।
उनके समीप कौन बैठता है ?	उनके समीप नारायण बैठता है।
इनका भाई कौन है ?	उनका भाई गोपाल है।
इनकी बहिन कहाँ है ?	उनकी बहिन घर में है।

इनके माँ-बाप कहाँ हैं ? उनके माँ-बाप घर में हैं।

यह किस देश का नक्शा है ? वह हमारे देश का नक्शा है।

हमारे देश का नाम क्या है ? हमारे देश का नाम भारत है।

हमारा देश कौन है ? हमारा देश भारत है।

क्या, हमारी सभ्यता पुरानी है ? जी हाँ, हमारी सभ्यता पुरानी है।

अभ्यास:—

जवाब दो:—

१. मोहनलाल के हाथ में क्या है ?
२. सतीश के बाप कौन हैं ?
३. राम का घर कहाँ है ?
४. हमारे देश का नाम क्या है ?

सवाल बनाओ:—

१. उनका भाई गोपाल है।
२. भारत हमारा देश है।
३. मेरी कलम का दाम एक रुपया है।
४. इसके तीन भाई हैं।

व्याकरणः—

'का, के, की' नियम सिखाइए

मैं + का = मेरा ; मैं + के = मेरे ; मैं + की = मेरी

तू + का = तेरा ; तू + के = तेरे ; तू + की = तेरी

तुम + का = तुम्हारा ; तुम + के = तुम्हारे ; तुम + की = तुम्हारी

हम + का = हमारा ; हम + के = हमारे ; हम + की = हमारी

आप + का = आपका ; आप + के = आपके ; आप + की = आपकी

वह + का = उसका ; वह + के = उसके ; वह + की = उसकी

यह + का = इसका ; यह + के = इसके ; यह + की = इसकी

वे + का = उनका ; वे + के = उनके ; वे + की = उनकी

ये + का = इनका ; ये + के = इनके ; ये + की = इनकी

कौन + का = किसका ; कौन + के = किसके ; कौन + की = किसकी

ठीक करोः—

१. मैं जाता है ।

२. लड़की पढ़ता है ।

३. हम जाते हो ।

४. तुम लिखता है।

५. लड़के दौडती हैं।

इन्हें मिलाकर वाक्य बनाओ

मैं			
तू		ता	है
तुम	जा		हो
वह		ते	
वे	पढ़		हूं
लड़का		ती	हैं
लड़की			

पाठ तेरह

कौआ काला है। कौए काले हैं।

भैंस काली है। भैंसें काली हैं।

यह बैल दुबला है। ये बैल दुबले हैं।

यह गाय दुबली है। ये गायें दुबली हैं।

यह बिल्ला मोटा है।	ये बिल्ले मोटे हैं।
यह बिल्ली मोटी है।	ये बिल्लियाँ मोटी हैं।
वह ऊँचा आदमी है।	वे ऊँचे आदमी हैं।
वह ऊँची औरत है।	वे ऊँची औरतें हैं।
यह लड़का नाटा है।	ये लड़के नाटे हैं।
यह लड़की नाटी है।	ये लड़कियाँ नाटी हैं।

'सहारा' एक लंबा-चौडा मरु-प्रदेश है।

'गंगा' एक लंबी-चौडी नदी है।

व्याकरण:—

काला	काले	काली
मोटा	मोटे	मोटी
दुबला	दुबले	दुबली
ऊँचा	ऊँचे	ऊँची
नाटा	नाटे	नाटी
लंबा	लंबे	लंबी
चौडा	चौडे	चौडी

उचित नामविशेषण से खाली जगहों को भरो:—

१. यह गाय—है।

२. वह—औरत है।

३. यह लड़का—है।

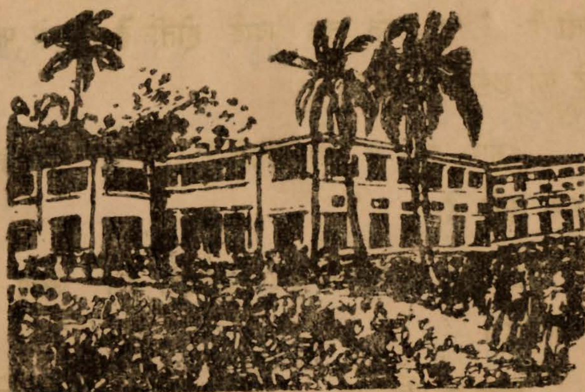
४. बिल्लियाँ—हैं।

५. गंगा एक — — नदी है।

६. ये बैल — हैं।

पाठ चौदह

हमारा स्कूल



यह हमारा स्कूल है। यह शहर के बाहर है। यह बहुत बड़ा स्कूल है। इसमें एक हज़ार दो सौ विद्यार्थी पढ़ते हैं।

इसमें लड़के और लड़कियाँ पढती हैं। यह एक सरकारी स्कूल है।

इस स्कूल में पैंतीस कमरे हैं। बीच का कमरा स्कूल का दफ्तर है। उसमें हमारे प्रधान अध्यापक बैठते हैं। पास का कमरा अध्यापकों का है। बाकी कमरों में वर्ग चलते हैं। कमरों के अंदर काफी बेंच और डेस्क हैं।

हमारे स्कूल में करीब पचास अध्यापक हैं। वे हमको खूब सिखाते हैं। वे हमको बहुत प्यार करते हैं।

हम नौ बजे पाठशाला जाते हैं। दस बजे पढाई शुरू होती है। चार बजे तक पढाई होती है। दो पहर को एक घंटे की छुट्टी मिलती है।

हमारे स्कूल में एक रेडियो है। चार बजे के बाद हम रेडियो सुनते हैं।

स्कूल के आगे एक सुन्दर फुलवारी है। उसमें कई तरह के पौधे हैं।

स्कूल के पीछे एक बडा मैदान है। वहाँ हम शाम को गेंद खेलते हैं। वहाँ और भी कई तरह के खेल होते हैं।

हम अपने स्कूल को बहुत प्यार करते हैं।

I. अभ्यासः—

जवाब दोः—

१. स्कूल कहाँ है ?
२. स्कूल में कितने कमरे हैं ?
३. स्कूल का दफ़्तर कहाँ है ?
४. स्कूल में कितने अध्यापक हैं ?
५. पढाई कब शुरू होती है ?
६. चार बजे के बाद लड़के क्या करते हैं ?
७. फुलवारी कहाँ है ?
८. लड़के कहाँ गेंद खेलते हैं ?

II. स्कूल के बारे में क़रीब दस वाक्य लिखो ।

व्याकरणः—1. अंदर, बाहर, आगे, पीछे—इनका परिचय कराइये ।

2. स्त्रीलिंग में बदलकर लिखोः—

१. लड़का मैदान में खेलता है ।
२. मैं स्कूल में हिन्दी पढता हूँ ।
३. वह काम करता है ।
४. हम गीत गाते हैं ।
५. वे चित्र देखते हैं ।

III. सामान्य वर्तमान काल में लिखो:—

कर्ता	क्रिया
	कर
तुम	लिख
	दे
वे	पी
मैं	सो
	जा

पाठ पन्द्रह

राम—माँ, मुझे दूध दीजिए।

माँ—मैं तुझे दूध नहीं दूँगी।

राम—मुझको क्यों नहीं देंगी?

माँ—तुझको बुखार है।

राम—मुझे बुखार नहीं।

माँ—मैं कहती हूँ; तुझे बुखार है। दूध नहीं दूँगी।

राम—अम्माँ, आप बाप को दूध देती हैं। मोहन को दूध देती हैं। मुझे नहीं देंगी?

माँ—मैं उनको देती हूँ। कल तुझे भी दूँगी।

राम—उन्हें केले देती हैं। पापड देती हैं। दूध देती हैं।

माँ—आज मैं उनको कुछ नहीं दूँगी।

राम—आप लीला को देंगी?

माँ—मैं उसको दूँगी नहीं।

राम—जरूर देंगी।

माँ—कहती हूँ, मैं उसे नहीं दूँगी। तू विश्वास कर।

राम—अम्माँ, यह तो आया हमारा कुत्ता। इसको जरा दूध दीजिये।

माँ—किसको दूध पिलाना?

राम—इस कुत्ते को।

माँ—इसे? इसे नहीं दूँगी। जा।

(राम के दो भाई आते हैं)

राम—अम्माँ, इनको दूध दीजिये।

माँ—इन्हें दूध नहीं मिलेगा। मैं आज किसीको दूध नहीं दूँगी। कल सभी को दूँगी। समझे? अब जाओ।

(सब लड़के जाते हैं)

अभ्यास:–

जवाब दो:—

१. राम को माँ दूध क्यों नहीं देती ?

I. व्याकरण:–

मैं + को = मुझको ; मुझे	तुम + को = तुमको ; तुम्हें
तू + को = तुझको ; तुझे	वह + को = उसको ; उसे
यह + को = इसको ; इसे	वे + को = उनको ; उन्हें
ये + को = इनको ; इन्हें	हम + को = हमको ; हमें
कौन + को = किसको ; किसे	कोई + को = किसीको

(इस विभक्ति प्रत्यय का परिचय कराइये)

II. पुल्लिंग में बदलो:–

१. लड़की कपडा लाती है ।

२. वह गीत गाती है ।

३. लड़कियाँ सिनेमा जाती हैं ।

४. वे मैदान में खेलती हैं ।

५. मैं शहर में रहती हूँ ।

III. ठीक स्थानों में लिखो.—जैसे—

	पुल्लिंग	स्त्री लिंग
	लड़का	लड़की

बहन, किताब, पानी, भाई, आदमी, कुर्सी, क़लम, कागज़

IV. आवरण में दिये हुए शब्दों के उचित रूप से खाली जगहों को भरो:-

१. वह—गाय है। (हम)

२. —नाम क्या है? (तुम)

३. —दूध दीजिए। (मैं)

४. गाय—दूध देती है। (हम)

५. हम—दूध—हैं। (वह; पी)

पाठ सोलह

चम--चम--चम



चम-चम-चम-चम चमके तारे ।
दम-दम-दम-दम दमके तारे ॥
करते झिलमिल
लगता हिलमिल
खेल रहे हैं
आंख मिचौनी

नन्हे तारे

प्यारे प्यारे ।

चम-चम-चम-चम चमके तारे ।

दम-दम-दम-दम दमके तारे ॥

अभ्यास:—

जवाब दो: –

तारे क्या करते हैं? यह कविता जबानी सुनाओ ।

पाठ सत्रह

कल ओणम है । हम अच्छे कपड़े पहनेंगे । भर-पेट भोजन करेंगे । खूब खेलेंगे ।

घर की लड़कियाँ गायेंगी और नाचेंगी ।

परसों मौसी आएँगी । मौसी का बेटा राजीव आएगा । उनकी बेटी मीरा भी आएगी । मीरा खूब गायेगी । राजीव मेरे साथ खेलेगा ।

मैं गेंद खेलूँगा । मैं पतंग उडाऊँगा । मेरी बहन कहती है, 'मैं भी पतंग उडाऊँगी'। वह कैसे उडाएगी? मैं पतंग नहीं दूँगा ।

सामान्य भविष्य काल का परिचय कराइये:-

मैं खेलूँगा / खेलूँगी	हम खेलेंगे / खेलेंगी
तू खेलेगा / खेलेगी	तुम खेलोगे / खेलोगी
	आप खेलेंगे / खेलेंगी
यह/वह खेलेगा / खेलेगी	ये/वे खेलेंगे / खेलेंगी
मैं—ऊँगा / ऊँगी	हम—एँगे / एँगी
तू—एगा / एगी	तुम—ओगे / ओगी
	आप—एँगे / एँगी
यह/वह—एगा / एगी	ये/वे—एँगे / एँगी
मैं—दूँगा / दूँगी	हम—देंगे / देंगी
तू—देगा / देगी	तुम—दोगे / दोगी
	आप—देंगे / देंगी
यह/वह—देगा / देगी	ये/वे—देंगे / देंगी

पाठ अठारह

शरीर के अंग



अध्यापक—वह किसका चित्र है?	विद्यार्थी—वह आदमी का चित्र है।
आदमी के कितने हाथ और पैर होते हैं?	आदमी के दो हाथ और दो पैर होते हैं।
हम हाथ से क्या करते हैं?	हम हाथ से काम करते हैं।
हम पैर से क्या करते हैं?	हम पैर से चलते हैं।
चित्र में सिर की ओर देखो।	
सिर के ऊपर क्या है?	सिर के ऊपर बाल हैं।

अध्यापकः—	विद्यार्थी:—
आदमी के कितने आँखें होती हैं?	आदमी के दो आँखें होती हैं।
हम आँखों से क्या करते हैं?	हम आँखों से देखते हैं।
उसके कितने कान होते हैं?	उसके दो कान होते हैं।
हम कान से क्या करते हैं?	हम कान से सुनते हैं।
आदमी की नाक कहाँ है?	आदमी की नाक मुँह के ऊपर है।
मुँह में क्या क्या हैं?	मुँह में जीभ और दाँत हैं।
हम दाँतों से क्या करते हैं?	हम दाँतों से चबाते हैं।
जीभ से हम क्या करते है?	जीभ से हम स्वाद लेते हैं।
तुम्हारे हाथ में कितनी उगलियाँ होती हैं?	मेरे हाथ में पाँच उँगलियाँ होती हैं।
दोनों हाथों में कितनी उँगलियाँ होती हैं?	दोनों हाथों में दस उँगलियाँ होती हैं।
छः हाथों में कितनी उँगलियाँ हैं?	छः हाथों में तीस उँगलियाँ हैं।
अच्छा, तुम गिनकर सुनाओ—	एक, दो, तीन, चार, पाँच, छः, सात, आठ, नौ, दस, ग्यारह, बारह, तेरह, चौदह, पन्द्रह, सोलह, सत्रह, अठारह,

अध्यापकः–	विद्यार्थीः–
	उन्नीस, बीस, इक्कीस, बाईस, तेईस, चौबीस, पच्चीस, छब्बीस, सत्ताईस, अट्ठाईस, उनतीस, तीस।
क्या, तुम इन अंकों को लिख सकते हो?	जी नहीं।
तो, मैं लिखकर दिखाऊँगा।	१, २, ३, ४, ५, ६, ७, ८, ९, १०, ११, १२, १३, १४, १५, १६, १७, १८, १९, २०, २१, २२, २३, २४, २५, २६, २७, २८, २९, ३०.

अभ्यासः–

I. जवाब दोः—

१. आदमी हाथ से क्या करता है?

२. आदमी के कितनी आँखें होती हैं?

३. हम कान से क्या करते हैं?

४. आदमी के हाथ में कितनी उँगलियाँ होती हैं?

II. खाली जगहों को भरोः-

१. सिर के ऊपर—हैं।

२. हम—से देखते हैं।

३. मुँह में—और—हैं।

४. दांतों से हम—हैं।

५. जीभ से हम—लेते हैं।

व्याकरणः—

I. 'से' प्रत्यय का परिचय कराइये।

II. भविष्य काल की क्रियाओं से वाक्यों को पूरा करोः-

१. राम कल सिनेमा—।

२. मैं कल अच्छे कपडे—।

३. लड़कियाँ शाम को मैदान में—।

४. तुम कहाँ—?

५. वे राम को एक किताब—।

III. परिवर्तित रूप लिखोः-

मैं + का; हम + को; तू + को; तुम + से;

हम + की; वह + पर; वे + को; यह + में;

वे + से; कौन + का; तुम + की; कोई + को;

पाठ उन्नीस



यह मेरा घर है।

मेरा घर गांव में है।

मेरे घर में छः लोग रहते हैं।

ये हैं—मेरे पिता, मेरी माता, मेरा भाई, मेरी बहन और हमारा नौकर।

घर में पांच कमरे हैं। दो कमरे बडे हैं; तीन कमरे छोटे हैं। घर में सात दरवाज़े हैं। मेरे घर में आठ खिडकियां हैं।

बैठक में एक मेज़ और चार कुरसियां हैं। एक आराम-कुरसी भी है। मेज पर एक बडा आईना है।

बीच के कमरे में तीन चारपाइयाँ हैं। हम उनपर सोते हैं। नौकर पीछे के कमरे में सोता है। वह चटाई पर सोता है।

घर के पास एक कुआँ है। उसका पानी बहुत साफ़ है। हम रस्सी और बालटी से पानी खींचते हैं। हम कुएँ के पास कपड़ा नहीं धोते।

घर के सामने एक छोटी फुलवारी है। उसमें कई पौधे हैं। उनमें सुन्दर फूल हैं। फुलवारी में गुलाब, बेला, चमेली आदि फूल हैं।

घर के पीछे तरकारी का एक बगीचा है। उससे बैंगन, भिंडी, ककड़ी, कद्दू, चिचिंडा, सहिजन, करेला आदि तरकारियाँ और भाजी मिलती हैं।

हमारा घर हवादार है। उसमें बगीचे से खुशबू आती है। हम अपने घर को बहुत पसंद करते हैं।

अभ्यास:—

1. अर्थ बताओ:—

   कमरा, दरवाज़ा, खिड़की, बैठक, आईना, चारपाई, बालटी, रस्सी, चमेली, बैंगन, चिचिंडा, भिंडी, ककड़ी, कद्दू, सहिजन, करेला, तरकारी, हवादार, खुशबू, पसंद।

II. जवाब दो:—

१. घर में कितने कमरे हैं ?

२. बैठक में क्या क्या हैं ?

३. नौकर कहां सोता है ?

४. कुएँ से हम पानी कैसे खींचते हैं ?

५. फुलवारी कहां है ?

६. बगीचे में क्या क्या तरकारियां हैं ?

III. अपने घर के बारे में दस वाक्य लिखो ।

व्याकरण:—

I. शुद्ध करो:—

१. वह का भाई छोटा है ।

२. यह को एक किताब दो ।

३. मैं का नाम सुशीला है ।

४. तुम का घर कहां है ?

५. तू से कौन बोलेगा ?

६. यह कमरे में कोई नहीं रहता ।

७. मेरी कलम कौन के पास है ?

८. मैं यहां कोई को नहीं देखता हूँ ।

वचन बदलो —

लडका, आदमी, पेड, गाय, खेत, घोडा, चिट्ठी, चिडिया, खत, पक्षी, घर, भैंस, भाव, हाथी, आंख, हाथ ।

पाठ बीस

रिमझिम रिमझिम

रिमझिम-रिमझिम
बरसा पानी ।
झमझम-झमझम
बरसा पानी । ॥ १ ॥



बादल चमका
बिजली कडकी ।
भागी डरकर
शीला लड़की ॥ २ ॥

और ज़ोर से

बरसा पानी ।

झमझम-झमझम

बरसा पानी ॥ ३ ॥

फिसला पैर

गिरी ज्यों शीला ।

हँसी ज़ोर से

मीरा-लीला ॥ ४ ॥

दौड़ी तब

शीला की नानी ।

रिमझिम-रिमझिम

बरसा पानी ॥ ५ ॥

अभ्यास:—

I. अर्थ बताओ:—

बादल, बिजली, फिसलना, बरसना ।

II. चित्र देखकर जवाब दो:—

१. कौन गिरती है ?

२. वह क्यों गिरती है ?

३. उसके पैर क्यों फिसलते हैं ?

४. मीरा और लीला क्या करती हैं ?

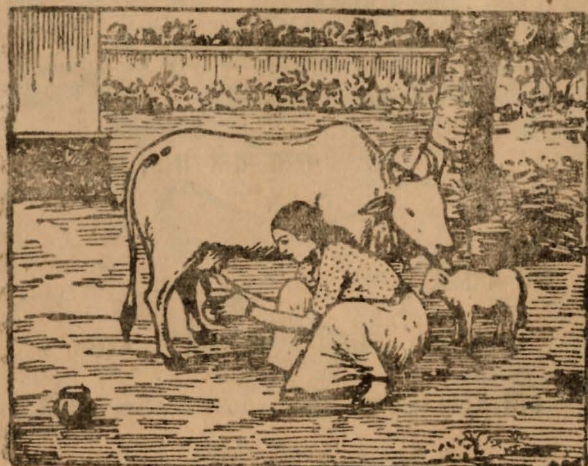
५. वे क्यों हँसती हैं ?

६. शीला की नानी क्यों दौडती है ?

III. यह कविता ज़बानी सुनाओ ।

पाठ इक्कीस

१. गाय



यह एक गाय है ।

उसके पास एक बछडा है ।

गाय घास खाती है। माँ उसे दुहती है। गाय हमको दूध देती है। गाय का दूध मीठा है। हम दूध से मक्खन और दही बनाते हैं। हम मक्खन को गरम करके घी बनाते हैं। हम दही से मट्ठा बनाते हैं।

२. घोड़ा



यह घोड़े का चित्र है।
घोडा एक मज़बूत जानवर है।
वह तेज़ दौडता है।
वह गाडी खींचता है।
हम घोड़े पर सवारी करते हैं।

३. बिल्ली



यह एक बिल्ली है।
इसकी आँखें रात को
चमकती हैं।
यह दबे पाँव चलती है।
यह चूहों को पकडती है।
हम बिल्ली को पालते हैं।

४. कुत्ता



यह कुत्ते की तस्वीर है। कुत्ता एक छोटा जानवर है। यह शिकार करता है। यह चोर को पकडता है। वह भूँकता है। वह घर की रखवाली करता है। कुत्ता एक वफादार जानवर है।

५. भैंस



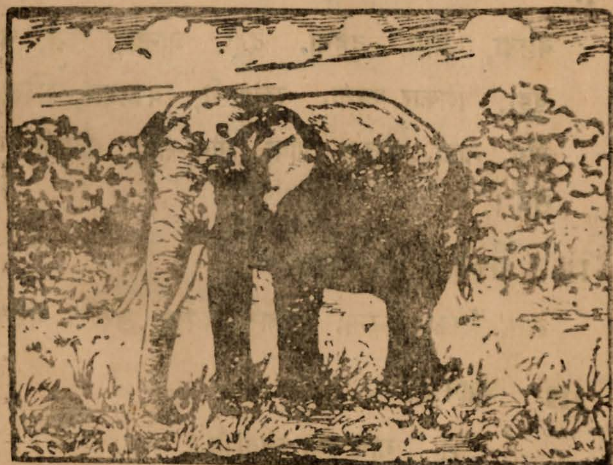
यह एक भैंस की तस्वीर है। भैंस एक घरेलू जानवर है। यह गाय से बडी है। यह धीरे-धीरे चलती है। इसका रंग काला है। भैंस के सींग लंबे होते हैं। गाय के सींग छोटे होते हैं। हम भैंस का दूध पीते हैं। भैंस का दूध गाढा है। भैंसा हल जोतता है। वह गाडी भी खींचता है।

६. बकरी



बकरी गाय-भैंस से छोटी है । यह भी पालतू जानवर है । इसका दूध भी लोग पीते हैं । यह पौधों के पत्ते, घास आदि खाती है । बकरी बड़ा सीधा-सादा जानवर है । बच्चे बकरी का कच्चा दूध पीते हैं । गाय की तरह यह बड़ा उपयोगी जानवर है ।

७. हाथी



हाथी भी एक पालतू जानवर है । वह सब से बड़ा जानवर है ।

उसका शरीर काला है। उसकी आँखें छोटी होती हैं। हाथी के कान बड़े होते हैं। उसके दो लंबे दांत होते हैं। ये दांत बिल्कुल सफेद हैं। यह बड़ी कीमती चीज़ है।

हाथी का सूँड बहुत लंबा होता है। सूँड हाथ का काम देता है।

हाथी एक मज़बूत जानवर है। वह भारी लकड़ी उठाता है और खींचता है। वह बड़ा उपयोगी जानवर है।

अभ्यास:-

I. अर्थ बताओ:—

बछड़ा, घास, दुहना, दही, जानवर, तेज़, चमकना, चूहा, शिकार करना, रखवाली, वफादार, घरेलू, रंग, सींग, गाढ़ा, जोतना, पौधा, सीधा-सादा, कीमती, मज़बूत, सूँड।

II. वाक्यों में प्रयोग करो:—

तेज़, शिकार करना, रखवाली करना, घरेलू, मज़बूत।

III जवाब दो:—

१. गाय क्या खाती है?

२. गाय हमें क्या देती है?

३. हमको मक्खन कैसे मिलता है ?

४. घोडा कैसा जानवर है ?

५. वह क्या काम करता है ?

६. बिल्ली की आँखें कैसी होती हैं ?

७. बिल्ली किसको पकडती है ?

८. कुत्ता हमारेलिए क्या क्या काम करता है ?

९. भैंस कैसा जानवर है ?

१०. वह हमको क्या देती है ?

११. भैंस का रंग क्या होता है ?

१२. बकरी क्या खाती है ?

१३. वह हमको क्या देती है ?

१४. हाथी कैसा जानवर है ?

१५. हमारेलिए हाथी क्या क्या काम करता है ?

IV. गाय, कुत्ता, हाथी—इनके बारे में पाँच पाँच वाक्य लिखो ।

पाठ बाईस

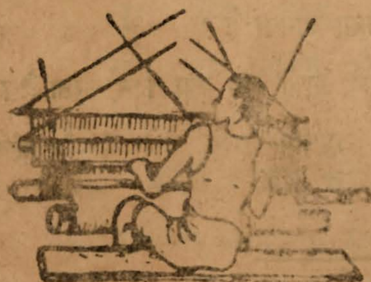
१. किसान



यह किसान है।
वह खेती करता है।
वह खेत सींचता है,
हल से जोतता है
और बीज बोता है।

वह अनाज पैदा करता है। दक्षिण भारत के लोग चावल खाते हैं। उत्तर भारत के लोग गेहूँ खाते हैं। किसान देश को खाना देता है।

२. जुलाहा



यह जुलाहा है। यह कपड़ा बुनता है। वह करघे पर कपड़ा बुनता है। इसकी पत्नी सूत कातती है। वह रूई से सूत कातती है। वह चरखे से सूत कातती है। जुलाहा हमको कपड़ा देता है।

३. राज



वह राज है। उसके हाथ में करनी है। वह करनी से गारा लेता है। वह गारे से ईंटों को जोडता है। वह ईंटों से दीवार बनाता है। वह हमारे लिए घर बनाता है।

४. बढ़ई



वह बढ़ई है। वह लकडी का काम करता है। उसके बायें हाथ में छेनी है। उसके दायें हाथ में मुँगरी है। वह लकडी की चीज़ें बनाता है। वह रंदे से लकडी को चिकना करता है। वह मेज़, कुरसी, अलमारी आदि चीज़ें बनाता है।

५. कुम्हार



वह कुम्हार है। वह मिट्टी से बरतन बनाता है। वह हाँडी, घड़ा, कटोरा और प्याला बनाता है। मिट्टी चाक पर रखकर वह बरतन को ढालता है। मिट्टी का बरतन सस्ता होता है। ताँबे का बरतन महँगा होता है।

६. लोहार



यह लोहार है। यह लोहे का सामान बनाता है। यह लोहे को गरम करता है। उसे निहाई पर रखता है और हथौड़े से पीटता है। यह ज़ोर से पीटता है और लोहे को रूप देता है। यह रेती से रगड़कर लोहे को चिकना करता है। यह लोहे से, चाकू, छुरी, हँसिया, फावडा, कुदाली आदि बनाता है।

७. सुनार



देखो, यह सुनार है। उसके सामने अंगीठी है। वह सोने से गहने बनाता है। वह सोने का कड़ा, अंगूठी, हार, सिकडी, लोलक आदि गहने बनाता है। औरतें गहने पसंद करती हैं। लेकिन ये बडे कीमती होते हैं। अमीर सोने के और गरीब चाँदी, पीतल और काँसे के गहने पहनते हैं।

किसान अनाज पैदा करता है। वह देश को खिलाता है। जुलाहा, राज, बढ़ई, कुम्हार, लोहार और सुनार अच्छे कारीगर हैं। वे बड़े मेहनती हैं। वे बहुत काम करते हैं। वे उपयोगी चीज़े बनाते हैं। वे देश के सच्चे सेवक हैं। हमें उनको प्यार करना चाहिए। हमें उनका आदर करना चाहिए।

अभ्यास:-

१. अर्थ बताओ:—

खेत, हल, जोतना, जुलाहा, बुनना, कातना, रूई, करनी

गारा, ईंट, दीवार, बढ़ई, छेनी, मुँगरी, रंदा, चिकना, कुम्हार, बरतन, हाँडी, कटोरा, चाक, ढालना, सस्ता, महँगा, ताँबा, लोहा, निहाई, हथौडा, रगडना, हँसिया, फावडा, सुनार, अंगीठी, गहना, चाँदी, पीतल, कांसा, मेहनती, कारीगर।

II. वाक्यों में प्रयोग करो:—

खेती करना, सूत कातना, चिकना करना, रगडना।

III. जवाब दो:-

१. किसान खेत में कैसे बीज बोता है?
२. किसान हमको क्या देता है?
३. कपडा बुननेवाला कौन है?
४. सूत किससे बनता है?
५. राज कैसे घर बनाता है?
६. बढ़ई क्या करता है?
७. लकडी को वह कैसे चिकना बनाता है?
८. कुम्हार बर्तन कैसे बनाता है?
९. हँसिया, फावडा आदि बनानेवाला कौन है?
१०. सुनार क्या काम करता है?
११. वह क्या क्या बनाता है?

१२. किसान का आदर हमें क्यों करना चाहिए ?

१३. राज, बढ़ई आदि कारीगरों को हम क्यों प्यार करते हैं ?

पाठ तेईस

सात दिन

सोमवार को चला, हो गयी जगन्नाथ में शाम ।
मंगल को कलकत्ते जाकर किये बहुत से काम ॥
बुध को काशी और अयोध्या देख आगरे आया ।
गुरुवार को दिल्ली देखी और द्वारका धाया ॥
शुक्रवार को देख बंबई बंगलूर को आया ।
शनिवार को रामेश्वर में जाकर मन बहलाया ॥
इतवार को फिर अपने घर में आकर सुख पाया ।
सात दिनों में अपना हिन्दुस्तान देख मैं आया ॥

प्रश्न:—सात दिनों के नाम बताओ ।

पाठ चौबीस



मैं गाँव में रहनेवाला हूँ। मेरा गाँव शहर से पाँच मील दूर है। इसमें क़रीब पांच सौ घर हैं। यहाँ तीन हज़ार से कुछ ज्यादा लोग रहते हैं।

यहाँ के ज्यादा लोग किसान होते हैं। खेतों में धान और ऊख की खेती होती है।

हमारे गाँव में हिन्दू, ईसाई और मुसलमान रहते हैं। उनके बीच में कोई झगडा नहीं है। वे मिल-जुल कर रहते हैं।

गाँव में एक बडा तालाब है। उसका पानी बहुत साफ़ है। हम लोग उस तालाब में नहाते हैं।

इस गाँव में बिजली का प्रबंध नहीं है। हम मिट्टी के तेल का दीया जलाते हैं।

हमारे गाँव में एक पाठशाला है। गाँव के छोटे बच्चे इस स्कूल में शिक्षा पाते हैं। उच्च शिक्षा के लिए हम शहर जाते हैं।

अभ्यास:—

I. अर्थ बताओ:—

क़रीब, ऊख, झगडा, ईसाई, साफ़, तालाब

II. वाक्यों में प्रयोग करो:-

मिल-जुलकर रहना, प्रबंध करना, शिक्षा पाना

III. जवाब दो:-

१. गाँव के ज्यादा लोग कौन हैं?

२. गाँव में किसकी खेती होती है?

३. गाँव के लोग कहाँ नहाते हैं?

४. वे कैसे दीया जलाते हैं?

५. गाँव के बच्चे उच्च शिक्षा के लिए कहाँ जाते हैं!

IV. अपने गाँव के बारे में दस वाक्य लिखो।

के बीच

व्याकरण:-वह तालाब + में = उस तालाब में।

यह गाँव + में = इस गाँव में।

मिट्टी का तेल + का = मिट्टी के तेल का।

(ऐसे प्रयोगों का अभ्यास कराइये)

(अच्छा, बुरा, साफ़, मंदा, छोटा, बड़ा, नया, पुराना-
आदि नामविशेषण हैं ।)

उचित नामविशेषणों से वाक्यों को पूरा करो:-

१. वह—हिन्दी बोलता है ।
२. हम—फल खाते हैं ।
३. राम—लड़का नहीं है ।
४. —पानी से नहाओ ।
५. —कमरे में कौन रहता है ?
६. वे एक—घर में रहते हैं ।
७. चाय—है ।
८. उस कलम में—स्याही है ।

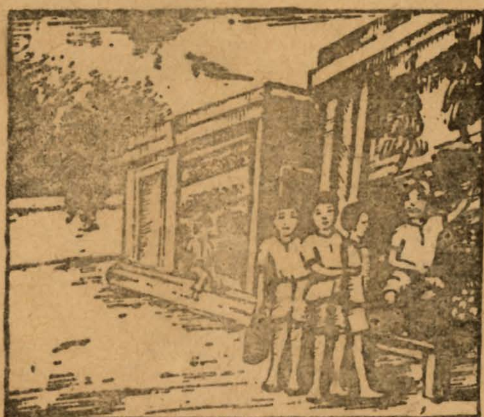
वाक्यों को निर्देशानुसार बदलकर लिखो:-

१. मैं हिन्दी पाठ लिखता हूँ । (मैं के बदले वे)
२. सीता स्कूल जाएगी । (सीता के बदले तुम)
३. हम बाज़ार से किताब खरीदेंगे । (हम के बदले लड़की)
४. सीता अच्छी लड़की है । (सीता के बदले राम)
५. तुम कहाँ जाओगे ? (तुम के बदले आप)



पाठ पच्चीस

बाज़ार



(रमेश, सतीश और गणेश बाज़ार जाते हैं। वे एक फलों की दूकान के पास रुक जाते हैं।)

रमेश—देखो, वह कितना बड़ा केला है!

सतीश—हाँ, मगर महँगा है।

गणेश—मैं एक केला खरीदना चाहता हूँ।

रमेश—मुझे एक संतरा चाहिए।

सतीश—मैं एक सेब खरीदूँगा।

(वे फल खरीदकर आगे बढ़ते हैं। झट सतीश एक मिठाई की दूकान में प्रवेश करता है। रमेश और गणेश भी प्रवेश करते हैं।)

सतीश—(दूकानदार से) जी, जिलेबी का क्या भाव है ?

दूकानदार—पच्चीस नये पैसे ।

गणेश—लड्डू का ?

दूकानदार—बीस पैसे ।

रमेश—(दोनों दोस्तों से धीमी आवाज़ में कहता है) बहुत पैसे लगेंगे । पिताजी मारेंगे ।

गणेश—मुझे भी ।

सतीश—तो हम चलेंगे । (तीनों जाने लगते हैं)

दूकानदार—क्यों जाते हो, भाई ? तुम कुछ लेते नहीं ?

लड़के—अजी, फिर आएँगे ।

(तीनों लड़के चले जाते हैं और स्टेशनरी दूकान के सामने खडे हो जाते हैं । गणेश दूकान में प्रवेश करता है और एक बोतल स्याही खरीदकर आता है । तीनों आगे बढ़ते हैं ।)

सतीश—यह कौन-सी स्याही है ?

गणेश—यह 'पाइलेट' इंक है ।

रमेश—इसका दाम ?

गणेश—बासठ नये पैसे ।

सतीश—स्याही अच्छी है ?

गणेश—बिलकुल ।

(लड़के एक गली में मुड़ते हैं । वहां एक बडी भीड है ।)

रमेश—यह भीड क्यों ?

सतीश—कोई मदारी बंदर को नचाता है। हम चलें।

(वे एक खोंचेवाले के पास जाते हैं।)

रमेश—सतीश, तुम्हारे पास कितने पैसे हैं ?

सतीश—पन्द्रह पैसे। और तुम्हारे पास ?

रमेश—मेरे पास केवल दस पैसे। अरे गणेश, कितने पैसे हैं तुम्हारे पास ?

गणेश—पचीस पैसे।

रमेश—क्या हम कुछ मिठाइयाँ खरीदेंगे ?

गणेश—अच्छा, खरीदेंगे।

(वे तीस पैसे की मिठाइयाँ खरीदते हैं। दस-दस पैसे, खोंचेवाले को देते हैं और मिठाइयाँ खाते खाते आगे चलते हैं।)

सतीश—बडी देर हो रही है। घर पर माताजी ढूँढेंगी। घर चलें।

गणेश—मुझे एक गुब्बारा अपनी बहन के लिए खरीदना है ?

रमेश—कल खरीदेंगे।

गणेश—कल आ नहीं सकता। आज ही खरीदूँगा।

सतीश—देखो, उस दूकान में कई गुब्बारे हैं।

(वे उस ओर जाते हैं। बारह पैसे देकर गणेश एक बडा गुब्बारा खरीदता है।) वे घर की ओर जाते हैं।)

अभ्यास:–

I. अर्थ बताओ:—

संतरा, सेब, भाव, बोतल, भीड, खोंचेवाला, गुब्बारा, मदारी।

II. वाक्यों में प्रयोग करो:—

रुक जाना, ढूँढना।

III. जवाब दो:–

१. गणेश बाज़ार से क्या क्या खरीदता है?

२. रमेश क्या खरीदता है?

३. मदारी क्या करता है?

४. खोंचेवाला क्या बेचता है?

५. गणेश क्यों गुब्बारा खरीदता है?

व्याकरण:—

तेज़, धीरे, जल्दी, कल, आज, परसों-आदि क्रिया विशेषण हैं।

क्रियाविशेषणों से खाली जगहों को भरो:–

१. घोडा—दौडता है।

२. लडका—पढता है।

३. भैंसा— —चलता है।

४. तुम वहाँ से—जाओ।

५. राम—उठता है।

पाठ छब्बीस

इंदर आया इंदर आया



इंदर आया इंदर आया
ताजी गरम जलेबी लाया।
बरफी लड्डू बालूशाही
इन सब से है थाल सजाया
इंदर आया इंदर आया ॥ १ ॥
आ करके आवाज़ लगाई—

"गरम जलेबी ले लो भाई।
ले लो पेडा बालूशाही"
लल्लू पैसे ले कर आया।
इंदर आया इंदर आया ॥ २ ॥

'मुन्नी' भागी छोड लिखाई
मुन्ना भागा छोड पढाई।
'पैसे दो माँ इंदर आया'
इंदर आया इंदर आया ॥ ३ ॥

[बाळ सखा से]

अभ्यासः—

जबाब दोः -

१. इंदर कौन है?
२. वह क्या बेचता है?
३. वह बच्चों को कैसे बुलाता है?
४. मुन्नी क्या छोडकर दौडती है?
५. मुन्ना पढाई छोडकर क्यों भागता है?
६. मुन्नी अपनी माँ से क्या मांगती है?

II. यह कविता कण्ठस्थ करो।

पाठ सताईस

मेरी बहन



मेरा नाम इन्दिरा है। मैं पाँच वर्ष की लड़की हूँ। लीला मेरी बहन है। वह तेरह साल की लड़की है। वह नवें दर्जे मे पढ़ती है। वह बडे सबेरे जागती है, दाँत साफ़ करती है और हाथ-मुँह धोती है। फिर वह प्रार्थना करती है।

लीला आंगन बुहारती है। कभी कभी वह घर में झाड़ू देती भी है। उसके बाद वह नहाती है। कभी कभी तेल लगाकर स्नान करती है। वह ठण्डे पानी से नहाती है। लेकिन पिताजी गरम पानी से नहाते हैं।

लीला अपना कपडा खुद साफ़ करती है। पहले वह कपडे को पानी में भिगोती है और साबुन लगाती है। थोडी देर के बाद वह कपडे को पत्थर पर मारती है। फिर पानी से धोती है। वह कपडे को निचोडती है और अरगनी पर डालकर सुखाती है।

नौ बजे भोजन करके वह पाठशाला जाती है। वह शाम को चार बजे स्कूल से वापस आती है। वह रसोई बनाने में माताजी की मदद करती है। थोडी देर मेरे साथ खेलती है। तब वह नहाने जाती है। वह मुझे भी नहलाती है और अच्छा कपडा पहनाती है। छुट्टी के दिन वह सूखे कपडों की इस्तरी करती है।



संध्या होते ही वह दीया जलाती है। हम सब मिलकर प्रार्थना करते हैं। साढे आठ बजे तक वह पढती है। उसके बाद

पिताजी को खाना परोस देती है। वह मुझे भी खिलाती है। नौ बजे तक वह माताजी के साथ भोजन करती है। वह थालियाँ माँजती है।

वह मेरा बिस्तर बिछाती है। लोरियाँ गाकर मुझे सुलाती है। वह भी मेरे साथ बिस्तर पर लेटकर सो जाती है।

अभ्यास:-

I. अर्थ बताओ:—

दर्जा, बुहारना, झाड़ू देना, भिगोना, निचोड़ना, अरगनी, सुखाना, रसोई, परोसना, मांजना, बिस्तर।

II. वाक्यों में प्रयोग करो:-

साफ़ करना, झाड़ू देना, साबुन लगाना, मदद करना, थालियाँ मांजना, रसोई बनाना।

III. जवाब दो:-

१. लीला माँ की क्या मदद करती है?

२. छुट्टी के दिनों में वह क्या करती है?

३. वह कितने बजे तक पढ़ती है ?

४. इन्दिरा को वह कैसे सुलाती है ?

व्याकरण:—

I. भविष्य काल में बदलो:-

१. राम मैदान में खेलता है ।

२. सीता वनजा को किताब देती है ।

३. तुम किताब लेते हो ?

४. आप पानी पीते हैं ।

५. मैं यह काम करता हूँ ।

६. हम गेंद खेलते हैं ।

७. लड़कियाँ स्कूल जाती हैं ।

II. उचित विभक्ति चिह्नों से खाली जगहों को भरो:-

१. राम—बुलाओ ।

२. लड़के क़लम—लिखते हैं ।

३. वे रेल—आते हैं ।

४. वह कमरे—सोती है ।

५. रमा—सीता बडी है ।

६. अध्यापक कुरसी—बैठते हैं।

७. स्टेशन यहाँ—दो मील दूर है।

८. मैं कल—यहाँ रहता हूँ।

पाठ अठाईस

खाना-पीना



हम भात खाते हैं। चावल से रसोइया भात बनाता है। भात के साथ हम सालन भी खाते हैं। मांस, मछली और तरकारी से सालन बनतें हैं। हम चमचे से सालन परोसते हैं।

सवेरे आठ बजे हम दोशा, इड्डली आदि का नाश्ता करते हैं। नारियल का बना भुर्ता और चटनी बडी स्वादिष्ट है। नाश्ते के साथ हम चाय और काफ़ी भी पीते हैं। थालियों में या केले के पत्तों में हम भोजन करते हैं।

कभी कभी हम चपाती, पूरी आदि भी खाते हैं। हम गेहूँ के आटे से चपाती-पूरी बनाते हैं। चपाती के साथ हम दाल-भाजी की तरकारी भी खाते हैं। केरल में हम रोज़ मांस नहीं खाते। कुछ लोग मुर्गी और बतख के अण्डे भी खाते हैं। यहाँ ज्यादा लोग शाकाहारी होते हैं। भोजन के साथ हम दही, मट्ठा, घी आदि भी खाते हैं।

हम अच्छे अच्छे पकवान भी बनाते हैं। ये घी या नारियल के तेल में बनते हैं। कभी कभी हम खीर भी बनाते हैं। चावल, गेहूँ, दूध, चीनी, गुड़ आदि से खीर बनता है। नारियल के दूध से भी हम खीर पकाते हैं।

हम लोग आम, नींबू, आँवला आदि से अचार बनाते हैं। केला, सूरन (जमींकंद), आलू, करेला आदि की उप्पेरी भी बहुत प्रसिद्ध है।

हम सोंठ, जीरा और धनिया का गरम पानी भोजन के साथ पीते हैं । कुछ लोग ठंडा पानी या छांछ पीते हैं ।

अभ्यास:—

I. अर्थ बताओ:—

सालन, चमचा, नाश्ता, भुर्ता, आटा, भाजी, बतख, शाकाहारी, खीर, गुड़, नींबू, आँवला, अचार, सूरन, आलू, करेला, सोंठ, धनिया, छाँछ ।

II जवाब दो:—

१. हम खीर कैसे बनाते हैं ?

२. केरल के लोग क्या क्या खाते हैं ?

३. हम अचार किससे बनाते हैं ?

व्याकरण:—

I. सही वाक्य बानाओ:—

हम फल	जाएगी ?
यहाँ कौन	पढ़ायेंगी ।
कौन आज	खायेंगे ?

आप मुझे हिन्दी	पढ़ेंगे।
रामजी हिन्दी	बोलेंगे?
यह कब बंबई	रहेगा?
मैं कल तमाशा	चलेगी?
सीता सिनेमा	देखूँगा।

II. उचित प्रत्यय लगाकर वाक्यों को पूरा करो:-

१. वह कुर्सी—बैठता है। (में, पर)

२. हम पानी—नहाते हैं। (में, से)

३. मैं कागज़—लिखता हूँ। (पर, में)

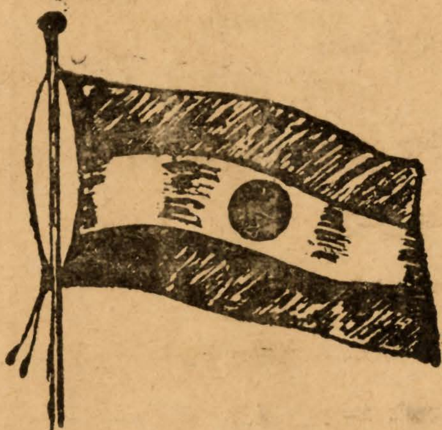
४. लड़के मैदान—खेलते हैं। (पर, में)

५. वे रेल—आते हैं। (में, से)

६. हम दूकान—कागज़ खरीदेंगे। (में, पर, से)

पाठ उनतीस

राष्ट्र वंदना



जन गण मन अधिनायक जय हे,
भारत भाग्य विधाता ।
पंजाब सिन्धु गुजरात मराठा
द्राविड़ उत्कल बंगा,
विन्ध्य हिमाचल जमुना गंगा,
उच्छल जलधि-तरंगा
तव शुभ नामे जागे,

तव शुभ आशिष माँगे ;
गाहे तव जय गाथा ।
जन गण मंगलदायक जय हे,
भारत भाग्य विधाता ।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे ।

जय हिन्द !

